From the house of
HOME CABLE
HOME NET

होम टाइम्स
हिंदी

साप्ताहिक
शनिवार

FREE COPY

RNI No. MAHHIN/2016/75969 | Post Reg. No. MNE/410/2019-21 | Volume 8 | Issue 35 | Saturday, 25th November to 1st December 2023 | Price ~~Rs 3~~

www.hometimes.in www.facebook.com/hometimes.in www.twitter.com/hometimes_news hometimes.in write2us@hometimes.in

मराठी बोर्ड न लगाने वालों पर कल से शुरू होगी कार्रवाई

■ होम टाइम्स टीम

दुकानों, होटल और संस्थानों पर मराठी बोर्ड न लगाने को लेकर कल से बीएमसी की ओर से दंडात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। कोर्ट की ओर से जारी अल्टीमेटम के खत्म होने के बाद अब मनपा की तरफ से यह फैसला लिया गया है।

मुंबई में दुकानों और संस्थानों पर मराठी नेम बोर्ड लगाने का मुद्दा अब एक बार फिर गरमाया हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से दुकानदारों को मराठी भाषा में बोर्ड लगाने के लिए २ महीने का समय दिया गया था। जिसकी अवधि २५ नवंबर २०२३ यानी आज समाप्त हो रही है। मराठी बोर्ड ना लगने वाले दुकानदारों के खिलाफ बीएमसी की ओर से कल से कार्रवाई शुरू की जाएगी। जिसके तहत प्रति कर्मचारी पर २ हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यानी अगर किसी दुकान में १० कर्मचारी काम करते हैं तो दुकानदार को २० हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। इस पर बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पहले कई दुकानदारों को नोटिस दी गई थी। परंतु अब यह नोटिस देना बंद कर दिया गया है और अब सीधे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई शहर और उपनगरों में ७ लाख दुकान, होटल और अन्य प्रतिष्ठान है। इसके पहले बीएमसी की ओर से जो चेतावनी दी गई थी। उसके बाद २३ हजार ४३६ दुकानदारों ने मराठी भाषा में बोर्ड लगा दिए थे जबकि ५ हजार २१७ दुकानदारों ने नोटिस को नजरअंदाज किया था। मुलुंड में अधिकतम दुकानों के नाम मराठी भाषा में देखें गए है। परंतु अभी भी ऐसी कई दुकानें और संस्थाएं है जिनका नाम अंग्रेजी भाषा में लिखा गया है। फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेड वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि दुकानों के बाहर मराठी बोर्ड जल्द से जल्द लगा ले ताकि उन पर बीएमसी की ओर से कार्रवाई न की जाए।

डेडलाइन खत्म होने के बाद भी मुंबई के प्रवेश द्वार पर नहीं दी जा रही है सुविधा

सरकार की ओर से जारी नियमों का नहीं हो रहा है पालन

■ होम टाइम्स टीम

मुंबई के प्रवेश द्वार पर सरकार की ओर से जारी नियमावली के तहत कोई भी अतिरिक्त सुविधा नहीं दी गई है जिसके चलते नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है और इन सुविधाओं पर जल्द से जल्द अमल करने की अपील नागरिकों की तरफ से की गई है।

१ अक्टूबर से मुंबई के प्रवेश द्वारों पर लगाए गए टोल के किराए में वृद्धि किए जाने का फैसला प्रशासन की तरफ से लिया गया था। जिसको लेकर मनसे कार्य करता आक्रामक हो गए थे और इन तोल के किराए में वृद्धि के चलते दी जाने वाली सुविधाओं को लेकर नाराजगी देखी गई थी। (शेष पेज ३ पर)

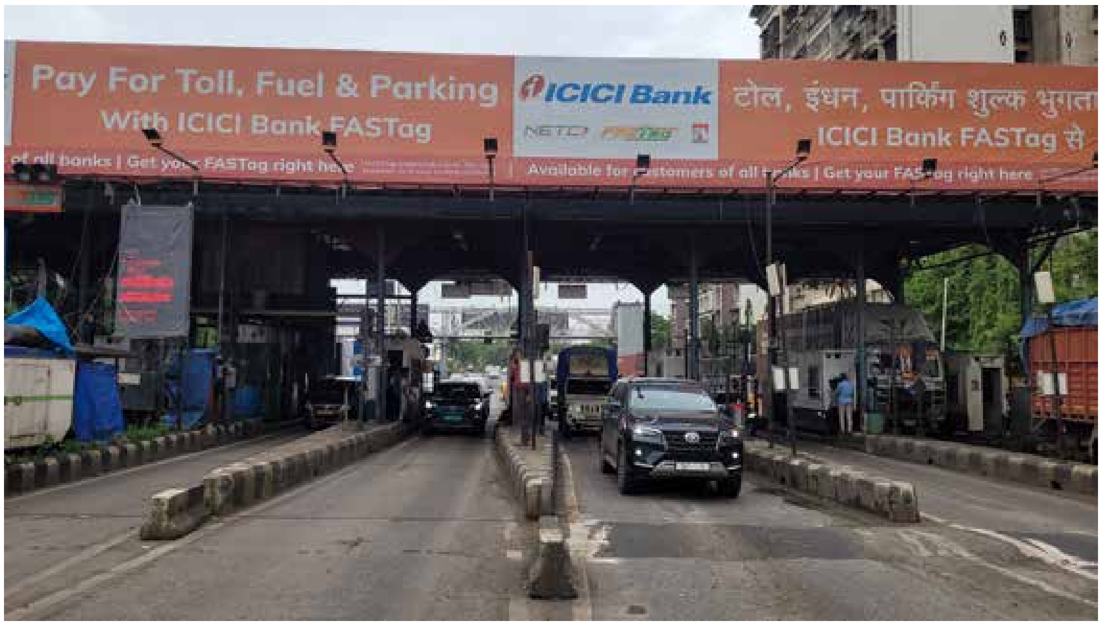

स्लम में महिलाओं के लिए बनाया जाएगा मोबाइल जिम

मुंबई उपनगर से की जाएगी मुहिम की शुरुआत

■ **होम टाइम्स टीम**

स्लम की महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई उपनगर में जल्द ही मोबाइल जिम की शुरुआत की जाएगी। जिसके चलते बसों को जिम में तब्दील किया जाएगा। इस काम के लिए कंपनी का चयन भी किया जा चुका है।

मुंबई में बदलती जीवन शैली के कारण महिलाएं कई बीमारियों की चपेट में आ रही है। जिससे की महिलाओं के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। इसी को देखते हुए मुंबई महानगरपालिका, महिलाओं के लिए मोबाइल जिम की संकल्पना लेकर आई है । महिलाएं घर काम और अपनी अन्य जिम्मेदारियां के चलते अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। इसके चलते इस नए कांसेप्ट को लाया गया है। आने वाले कुछ महीनों में मुंबई के स्लम इलाकों के पास यह चलते फिरते जिम लगाए जाएंगे, ताकि स्लम एरिया में रहने वाली महिलाओं को उनके घर के पास ही फिटनेस की सुविधा मिल सके। यह मोबाइल जिम बसों में डिजाइन किया जाएगा। प्रायोगिक आधार पर पहले उपनगरों के लिए मोबाइल जिम की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बीएमसी के प्लान के अनुसार बसों को मोबाइल जिम के रूप में फ्रेम किया जाएगा। एक मोबाइल जिम पर करीब ७५ लाख रुपए खर्च किया जाएगा और आने वाले तीन वर्षों तक इसका रखरखाव किया जाने वाला है। इस काम के लिए बी द चेंज कंपनी का चयन भी किया गया है। इन बसों में एक बस चालक, प्रशिक्षक और एक अन्य सहयोगी भी शामिल होंगे। बस अपने निर्धारित समय पर उपनगरों के स्लम में जाएगी। मिल रही जानकारी के अनुसार इस मुहिम की कल्पना तत्कालीन पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे की ओर से बनाई गई थी। अब इस संकल्पना को मुंबई उपनगर के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने गति दी है और इसके लिए मंत्री ने बीएमसी प्रशासन को नया प्रस्ताव दिया है। लोढ़ा के प्रस्ताव के अनुरूप जिम को डिजाइन किया जाएगा।

२०२३ - २०२४ में नहीं बढ़ाई जाएगी पानी की कीमत

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद मनपा के फैसले का यूटर्न

■ **होम टाइम्स टीम**

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पानी की कीमतों में ८ फीसदी के बढ़ोतरी के फैसले को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद इस फैसले को रद्द कर दिया गया है। जिसके चलते आम नागरिकों को एक बड़ी राहत मिली है।

उल्लेखनीय है कि हर वर्ष बीएमसी की ओर से पानी की कीमतों में ८ फीसदी की बढ़ोतरी की जाती है। लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए मुंबई महानगरपालिका को कई गुना खर्च करना पड़ता है। पानी आपूर्ति के लिए प्रशासनिक खर्च के अलावा

ऊर्जा का खर्च, सरकार के तालाबों से लिए जाने वाले पानी का खर्च भी बढ़ गया। है इसी तरह पानी के शुद्धिकरण और उसमें डाली जाने वाली दवाओं का भी खर्च बढ़ गया है। जिसके तहत पानी की दरों में वृद्धि का यह प्रस्ताव वर्ष २०१२ में मनपा की तरफ से पेश किया गया था। इस वर्ष यहां फैसले का अंतिम निर्णय १ दिसंबर को लिया जाना था। परंतु उसके पहले ही राज्य के मुख्यमंत्री की तरफ से मनपा आयुक्त चहल को इस फैसले को खारिज करने के निर्देश दे दिए गए। इस फैसले के चलते अब वर्ष २०२३ -२०२४ के लिए नागरिकों को पानी के लिए अधिक पैसे चुकाने नहीं पड़ेंगे। इससे आम नागरिकों को एक तरफ जहां राहत मिली है, तो वहीं दूसरी तरफ राज्य के मुख्यमंत्री के फैसले को भी राजनीतिक नजरिया से देखा जाने लगा है।

मुलुंड में बिजली कर्मचारियों से दुर्व्यवहार करने वाले दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज

■ होम टाइम्स टीम

महावितरण, बिजली बिल बकाया रखने वाले ग्राहकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही है। जिन ग्राहकों का बिजली बिल सोलह दिनों से अधिक समय से बकाया है, उनके बिजली कनेक्शन बंद करने के लिए मुलुंड में घर-घर अभियान चल रहा है। जब यह ऑपरेशन चल रहा था, तब मुलुंड पूर्व में महावितरण के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें अपना कर्तव्य निभाने से रोका गया।

मुलुंड महावितरण फिलहाल बिजली चोरों पर नजर रख रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले ग्राहकों की बिजली काटने की कार्रवाई भी की जा रही है। मुलुंड पूर्व के चिंतामनराव देशमुख उद्यान क्षेत्र में साईनाथ सोसायटी क्षेत्र में दो भाइयों ने बिजली बिल जमा न करने वालों पर कार्रवाई करने गए महावितरण के कर्मचारियों से अभद्रता कर कार्रवाई करने पर विरोध जताया। इसलिए महावितरण के कर्मचारियों ने दोनों भाइयों के खिलाफ नवघर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। दोनों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। इनके नाम सचिन बोराडे और विजय बोराडे हैं।

भांडुप के नामचीन स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ महिला कोऑर्डिनेटर का पीछा करने पर मामला दर्ज

■ होम टाइम्स टीम

पीड़ित महिला के बयान के आधार पर भांडुप पुलिस की ओर से नामचीन स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ महिला कोऑर्डिनेटर का पीछा करने के जुर्म में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की अधिक तहकीकात जारी है।

मिल रही जानकारी के अनुसार ४८ वर्षीय महिला जून २०२३ से भांडुप के एक नामचीन स्कूल में कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्यरत है। पीड़ित की ओर से भांडुप पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है। जिसके तहत जिस स्कूल में पीड़ित काम करती थी, उस स्कूल के प्रिंसिपल की ओर से पीड़ित को लगातार मैसेज किया जा रहा था और जब भी पीड़ित उस प्रिंसिपल के आसपास होती तब स्कूल परिसर में ही प्रिंसिपल की ओर से अनुचित इशारे भी महिला को किए जाते थे। इस बात की शिकायत पीड़ित की ओर से स्कूल के एचआर को की गई और आखिरकार नवंबर के महीने में पीड़ित को स्कूल से निकाल दिया गया। जिसके बाद पीड़ित भांडुप पुलिस स्टेशन पहुंची और प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। फिलहाल भांडुप पुलिस की ओर से आईपीसी की धारा ३५४ दी ५०४ के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की अधिक जांच जारी है।

▶▶ पेज १ का शेष

डेडलाइन खत्म होने के बाद भी...

जिसके बाद १२ अक्टूबर को मुख्यमंत्री और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ इस मुद्दे को लेकर चर्चा की गई और १३ अक्टूबर से १ महीने का अल्टीमेटम दिया गया। जिसके तहत मुंबई के प्रवेश द्वार पर कई सुविधाएं प्रशासन द्वारा नागरिकों के लिए मुहैया कराई जानी थी। जिनमें सबसे पहले टोल प्रशासन की ओर से वसूले जा रहे टोल का डिजिटल डिस्पले इन पांचों टोल नको पर लगाया जाना था। इसके अलावा शौचालय की सुविधा, एंबुलेंस की सुविधा, अतिरिक्त पुलिस बल और वाहनों की आवाजाही की गिनती करने वाले कैमरे भी लगाए जाने वाले थे। परंतु सरकार की ओर से जारी की गई नियमावली और अल्टीमेटम के खत्म होने के बावजूद इन टोल नाके पर इस तरीके की सुविधा नहीं देखी जा रही है।

मुलुंड पूर्व और पश्चिम मिलाकर कुल तीन टोल नाके आते हैं। इनमें से मुलुंड पश्चिम एलबीएस रोड पर डिजिटल डिस्प्ले लगाया गया है और शौचालय की भी सुविधा है परंतु इस टोल नाके पर एंबुलेंस की कोई भी सुविधा नहीं देखी गई है। जबकि मुलुंड पूर्व टोल नाका परिसर में भी एंबुलेंस और डिजिटल डिसप्ले नहीं लगाया गया है। एरोली टोल नाके पर भी ऐसा ही नजारा देखा गया इतना ही नहीं यहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी नहीं की गई है। इसी के साथ-साथ कई बार इन टोल नाकों के परिसर में वाहनों की लंबी कतारे भी देखी जाती है हालांकि इन सभी टोल से ३०० मीटर की दूरी पर पीली पट्टी लगाई जा चुकी है।

मुंबई के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले इन टोल नाकों पर प्रदूषण को नियंत्रण में करने के लिए भी स्प्रिंकलर डिवाइस प्रशासन की ओर से लगाई जानी थी। परंतु वह भी अब तक पूरी नहीं हो पाई है। दरअसल डिवाइस लगाने का उद्देश्य यह था कि मुंबई में आने वाली वाहनों की धुलाई की जा सकेगी। जिसके चलते प्रदूषण को कम किया जा सकेगा। हालांकि इस तरीके की कोई भी सुविधा मुलुंड के सीमा रेखा के भीतर लगने वाले टोल नाकों पर शुरू नहीं की गई है। इन तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि सरकार की ओर से जारी नियमावली पर सरकार स्वयं अमल करती हुई नजर नहीं आ रही है। नागरिकों ने यह मांग की है कि एक महीने पहले जारी की गई नियमावली को इस तरीके से नजरअंदाज किया जा रहा है तो आने वाले बरसात के मौसम में सड़कों के खराब होने के बाद नागरिकों की तकलीफों के लिए कौन जिम्मेदार होगा।

सं। पा। द। की। य

हिमांशु कोठारी

लेकिन सड़कों को किससे धोएं?

देश की राजधानी दिल्ली है, जबकि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई है। हालांकि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई है, लेकिन अपने आर्थिक कारोबार के कारण इसे देश की वित्तीय राजधानी भी कहा जाता है। इन दोनों राजधानियों का बहुत महत्व है। लेकिन अगर ये सच भी है तो भी ये दोनों राजधानियां आज प्रदूषण के मामले में सबसे आगे हैं। इन राजधानियों द्वारा आए दिन प्रदूषण के मानक बदलने के कारण देश के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले ये शहर अब बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों के लिए जानलेवा बन गए हैं। इन शहरों की हवा खतरे के जोन में पहुंच गई है। इसलिए, लोगों, को विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों का स्वास्थ्य अधिक खतरे में आ गया है । हालांकि वायु प्रदूषण के मामले में मुंबई फिलहाल दिल्ली से पीछे है, लेकिन जिस रफ्तार से मुंबई में हवा प्रदूषित हो रही है, उसे देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि मुंबई इस मामले में दिल्ली से कब आगे निकल जाएगी। कई बार वह दिल्ली से आगे बढ़ने की कोशिश भी कर चुकी हैं। जिस गति से मुंबई में प्रदूषण फैला रहा है, उसे देखते हुए इस पर उसी गति से और बड़े पैमाने पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसी जरूरत को देखते हुए राज्य सरकार ने कई कदम उठाये हैं।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इसके लिए अगुवाई कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई मनपा आयुक्त को आदेश देकर आयुक्त इकबाल सिंह चहल को काम पर लगा दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार, आयुक्त चहल ने पूरे मुंबई के सभी वार्डों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। बंद हो चुकी क्लीन अप मार्शल योजना को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके मुताबिक अब ये मार्शल हवा में प्रदूषण फैलाने वालों पर नजर रखने वाले हैं, प्रदूषण फैलाने वालों पर कानूनी आर्थिक दंड लगाने वाले हैं, वहीं महानगर पालिका की एक विशेष टीम निर्माण स्थल पर जाकर निरीक्षण करेगी और डेवलपर्स को प्रदूषण फ़ैलाने पर चेतावनी देगी । इसके लिए बॉम्बे हाई कोर्ट भी आगे आया है ,दिवाली में इस कोर्ट ने भी अच्छी भूमिका निभाई और कोर्ट ने पटाखों को सिर्फ दो घंटे की समय सीमा देकर पटाखों से होने वाले बड़े पैमाने पर वायु प्रदूषण को रोकने में मदद की है। इस दौरान पुलिस ने कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को भी अच्छे से लागू करने की कोशिश की है। मुलुंड समेत पूरे मुंबई में पुलिस ने अवैध पटाखे बेचने और फोड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। फिलहाल नगर निगम के अधिकारी भी हर वार्ड में घूमकर प्रदूषण फैलाने वालों पर नजर रख रहे हैं। डेवलपर्स को निर्माण स्थलों पर जाने और उन साइटों पर जाल लगाने के लिए कहा जा रहा है, और सड़कों को पानी से धोने के आदेश दिए गए हैं। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने का आदेश दिया गया है। अब सिविक सोसायटी में भी इस बात पर नजर रखी जा रही है कि कोई कूड़ा तो नहीं जला रहा है। वायु प्रदूषण को रोकने के लिए इन उपायों की योजना बनाना जरूरी है, लेकिन ये कहां और कैसे उपलब्ध होंगे, क्या नगर निगम प्रशासन को इस संबंध में कदम नहीं उठाना चाहिए? यदि सड़कों और चौराहों को पानी से धोया जाएगा तो यह पानी कहां से आएगा? इस साल पहले ही बारिश कम हुई है, इसलिए महानगर पालिका की ओर से पानी का संयम से उपयोग करने के आदेश हैं और पानी की दरें भी अफोर्डेबल नहीं हैं। फिर धूल भरी सड़कें कैसे धोएं? क्या आदेश पारित करने से पहले नगर निगम प्रशासन के समक्ष ऐसे उचित प्रश्न नहीं उठाए जाते? हालाँकि, डेवलपर्स, सोसायटी के नागरिकों, मोटर चालकों और नागरिकों के पास ऐसे प्रश्न हैं। अब इसका जवाब नगर निगम प्रशासन और अन्य जिम्मेदार एजेंसियों को देना होगा।

मुलुंड में कई जगहों पर की गई वर्ल्ड कप के अंतिम मैच की स्क्रीनिंग

भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता दिखाई दिए क्रिकेट प्रेमी

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड में भारत और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी वर्ल्ड कप मैच की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। जहां भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते दिखाई दिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल कर वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया। जिसके चलते भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नाराजगी देखी गई।

रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप का आखिरी मैच आयोजित किया गया था। जिसको लेकर भारतीयों में उत्साह बरकरार था। भारतीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए कई जगहों पर ओम हवन तो कई जगहों पर इस मैच की लाइव स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। मुलुंड में भी कई जगहों पर इस आखिरी मुकाबले की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। मुलुंड के कालिदास नाट्यगृह में युवक प्रेरणा फाउंडेशन की ओर से भारत और ऑस्ट्रेलिया मैच का सीधा प्रसारण किया गया था। जहां ईशान्य मुंबई के सांसद मनोज कोटक, मुलुंड की पूर्व नगरसेविका समिता कांबले के साथ ही बच्चों से लेकर बुजुर्ग नागरिक और सभी क्रिकेट प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। मुलुंड के कालिदास नाट्यगृह के अलावा कई अन्य जगहों पर इस स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। जहां राह चलने वाले नागरिकों और अन्य क्रिकेट प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भारतीय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए दिखाई दिए। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने २०२३ का वर्ल्ड कप अपने नाम कर लिया और क्रिकेट प्रेमियों में नाराजगी देखने को मिली।

मुंबईकरों को डंपिंग की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए गठित की जाए कमेटी- मुख्यमंत्री ने दिया आदेश

■ होम टाइम्स टीम

मुंबईकरों को डंपिंग ग्राउंड की समस्या से निजात दिलाने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के बीच बीते दिनों चर्चा की गई। जिसके चलते इन कचरे से भरे डंपिंग ग्राउंड को मुक्त करने के लिए एक समिति का गठन किए जाने के आदेश भी दिए गए हैं।

बीएमसी के अधीन डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। मुंबई में बढ़ते प्रदूषण को लेकर मुलुंड, कांजुरमार्ग और देवनार डंपिंग ग्राउंड के आसपास रहने वाले नागरिकों ने एक बार फिर आवाज उठाई है। इसको लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से केंद्रीय नगर विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी और संबंधित अधिकारियों के साथ गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की गई और मामले का समाधान निकालने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए है कि मुंबई के डंपिंग ग्राउंड पर जमा होने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान करने के लिए एक समिति नियुक्त की जानी चाहिए और समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने को भी कहा गया है। इस कमेटी में भारत सरकार के सेक्रेटरी, राज्य के प्रिंसिपल सेक्रेटरी, बीएमसी कमिश्नर और बीएमसी के एडिशनल कमिश्नर शामिल होंगे। जो की मुलुंड, कांजुरमार्ग और देवनार में स्थित डंपिंग ग्राउंड से हजारों टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से आधुनिक तकनीक के जरिए निपटान करने को लेकर रिपोर्ट तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुलुंड, कांजुरमार्ग और देवनार डंपिंग ग्राउंड के हजारों टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से और तेजी से नवीनतम तकनीक का उपयोग कर निपटान किया जाना चाहिए। इतना ही नहीं डंपिंग ग्राउंड से कचरे के ढेर को हटाया जाना चाहिए। अगर मुंबई में बढ़ते प्रदूषण स्तर को कम करना है तो शहर में ठोस कचरे के वैज्ञानिक निपटान की आवश्यकता है।

१०० मेगावाट बिजली का किया जाएगा उत्पादन

मुंबई के कांजुरमार्ग और देवनार डंपिंग ग्राउंड में ७००० मेट्रिक टन कचरा फेंका जाता है। जिससे करीब १०० मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। देवनार डंपिंग ग्राउंड में इस प्लांट से पहले चरण में ६०० मेट्रिक टन कचरे से बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इससे प्रतिदिन ६ मेगावाट बिजली मिलेगी। इतना ही नहीं भविष्य में प्रोजेक्ट को १८०० मैट्रिक कचरे में तब्दील कर बिजली उत्पादन की योजना भी बनाई जा रही है। जिससे की प्रतिदिन १० मेगावाट तक बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। कचरे से पैदा होने वाली बिजली का कुछ हिस्सा इस प्लांट में इस्तेमाल किया जाएगा।

बीएमसी की ओर से दिए गए आंकड़ों की माने तो मुंबई के कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड पर ५५०० मीट्रिक टन कचरा औसतन डंप किया जाता है। इनमें से ५०० मीट्रिक टन गीला कचरा विंडो कंपोस्टिंग टेक्नोलॉजी के जरिए प्रोसेस्ड यानी प्रसंस्कृत किया जाता है। जबकि ५०० मेट्रिक टन से ईंधन और ४५०० मेट्रिक टन को बायोरिएक्टर तकनीक का उपयोग करके संसाधित किया जाता है। मुलुंड टी वार्ड की बात करें तो १५५ मेट्रिक टन कचरा औसतन कांजूर मार्ग डंपिंग ग्राउंड पर डंप किया जाता है। इनमें से २५ मेट्रिक टन गीले कचरे को संसाधित किया जाता है। इस काम के लिए एंटोनी लारा एजेंसी को वर्ष २०११ में नियुक्त किया गया था। जिसका कार्यकाल २५ साल बाद समाप्त होगा। इस कचरे को कंपोस्ट करके खाद बनाया जाता है। बीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि सूखा और गीला कचरा अलग-अलग करें और अपने परिसर को स्वच्छ रखें।

हर्ष और उल्लास के साथ मुलुंड में मनाया गया आस्था का महापर्व छठ

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड सहित देशभर में डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हुए श्रद्धा भक्ति से छठ पूजा का पर्व मनाया गया। जहां दोपहर के बाद से ही व्रतियों और उनके परिजनों की भीड़ तालाबों के किनारे बढ़ गई और ३६ घंटे का व्रत तोड़कर व्रतियों ने छठ मैया से अपनी मन्नत मांगी। रविवार को मुलुंड में आयोजित की गई छठ पूजा में काफी संख्या में नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

सूर्य की उपासना का महापर्व छठ पूजा मुंबई में पूरे श्रद्धा के साथ रविवार को मनाया गया। छठ पूजा के तीसरे दिन यानी रविवार शाम को तालाबों के पानी में खड़े होकर डूबते सूरज

को व्रतियों द्वारा अर्घ्य देने का नजारा देखा गया। ऐसा ही नजारा मुलुंड पूर्व स्थित मोरया तालाब में भी देखने को मिला। मुलुंड छठ पूजा समिति की तरफ से पिछले १३ वर्षों की तरह इस वर्ष भी मुलुंड पूर्व स्थित मोरया तालाब में व्रतियों के लिए अर्घ्य का आयोजन रखा गया था। मुलुंड व आस परिसर से छठ व्रती तालाब में भारी तादाद में उपस्थित होकर डूबते सूरज को अर्घ्य करते दिखाई दिए। इस दौरान ईशान्य मुंबई के सांसद मनोज कोटक,नगरसेविका समिता कांबले, रजनी केनी के साथ ही आदि गणमान्य ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इतना ही नहीं इस वर्ष भारी संख्या में नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस पूरे पर्व के दौरान मुलुंड के मौर्या तालाब और आसपास के परिसर में अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बंदोबस्त भी देखा गया था।

क्यों मनाया जाता है छठ पूजा ?

हिंदू मान्यता के मुताबिक, कथा प्रचलित है कि छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल से हुई थी। इस पर्व को सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके शुरू किया था। कहा जाता है कि कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों तक पानी में खड़े होकर उन्हें अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है।

साइकिल ट्रैक के लिए फिर खर्च होंगे करोड़ों रुपए

प्रशासन की गलतियों का नागरिकों को भुगतना पड़ेगा खामियाजा

■ होम टाइम्स टीम

मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले जल वाहिनियों के पास की झोपड़ियों को हटाकर उस इलाके में साइकिल ट्रैक के साथ जो फुटपाथ बनाया गया था, उसकी हालत दयनीय हो गई है। प्रायोगिक तौर पर बनाया गया यह प्रोजेक्ट रखरखाव के अभाव में इस स्थिति में पहुंच गया है। अब एक बार फिर करोड़ों रुपये खर्च कर इस ट्रैक और फुटपाथ की मरम्मत की जाएगी, लेकिन प्रशासन के इस फैसले से नागरिक का काफी नाखुश नजर आ रहे है क्योंकि इसका खर्च लोगों की जेब से आएगा।

जल वाहिनियों के क्षेत्र को अतिक्रमण से मुक्त कराने और मुंबईकरों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से मुंबई नगर निगम ने उस क्षेत्र में अतिक्रमण हटा दिया और वहां फुटपाथ और सर्विस रोड, साइकिल ट्रैक के साथ पार्क विकसित किए। इसी तरह, मुलुंड क्षेत्र में जल वाहिनियों के पास अवैध निर्माण को हटाकर, नगर निगम ने प्रयोगात्मक आधार पर एक साइकिल ट्रैक का निर्माण किया था। लेकिन इसके रख-रखाव के अभाव में सात-आठ साल पहले बने प्रायोगिक प्रोजेक्ट के साइकिल ट्रैक पर गड्ढे पड़ गये हैं और क्षेत्र की हालत खराब हो गई है। कोर्ट के निर्देशानुसार नगर निगम ने वाटर चैनल से सटे झोपड़ियों व निर्माण कार्य को हटाकर जल वाहिनियों को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसलिए, हरितवारी जलतिरी परियोजना के तहत इस मुख्य जलवाहिनी के आसपास साइकिल ट्रैक, फुटपाथ, सर्विस रोड, पार्क आदि विकसित किए गए। पायलट आधार पर मुलुंड में मुख्य जलवाहिनी के साथ १.१४० किमी की दूरी विकसित करने का निर्णय लिया गया और इस परियोजना का काम वर्ष २०१६-१७ में पूरा हो गया। लेकिन सात-आठ साल पहले बने इस साइकिल ट्रैक के डामरीकरण के कारण इस सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। कुछ स्थानों पर सतह असमान है। इसलिए इस पायलट प्रोजेक्ट में सड़क की रिसर्फेसिंग और मरम्मत जरूरी हो गई है। इस सड़क की खराब स्थिति के कारण नागरिकों को होने वाली असुविधा के कारण इस साइकिल ट्रैक की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। इन कार्यों पर अब विभिन्न करों के साथ चार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। बताया जा रहा है कि इसके लिए शंखेश्वर इंटरप्राइजेज कंपनी का चयन किया गया है।

३९ किमी साइकिल ट्रैक के चार चरणों में से पहले दो चरणों पर काम, जो मुंबई में आंतरिक परिवहन के लिए एक नया विकल्प प्रदान करेगा, २०१८ में शुरू हुआ। इसलिए, मनपा प्रशासन ने दावा किया था कि मुंबईकर मुलुंड से धारावी या घाटकोपर से सायन क्षेत्र तक साइकिल से जा सकते हैं। मुलुंड का साइकिल ट्रैक भी इसी उद्देश्य से बनाया गया था। हालाँकि, इस साइकिल ट्रैक का उतना उपयोग नहीं हो रहा है जितना होना चाहिए, यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि इस साइकिल ट्रैक पर किया गया सारा खर्च बर्बाद हो गया है। यही कारण है कि नगर निगम द्वारा कुछ साइकिल ट्रैक परियोजनाओं को बंद कर दिया गया है। हालांकि, समय रहते इन कार्यों पर ध्यान नहीं दिया गया तो इनकी मरम्मत कराई जाएगी और इसका खर्च नागरिकों पर पड़ने से उनमें असंतोष का माहौल देखा जा सकता है।

मुलुंड पूर्व में पीईपी परियोजना के कारण नेताओं को सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का डर

४५०० हजार घरों के प्रोजेक्ट पर मुलुंडकर का विरोध

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड पूर्व क्षेत्र में चल रही पीईपी परियोजना में ४५०० घर शामिल होंगे। लेकिन ये प्रोजेक्ट फिलहाल विवादों में घिर गया है। पूर्ववर्ती सरकार ने वित्तीय लाभ के लिए इस परियोजना को रद्द कर दिया है और नेताओं का आरोप है कि इस परियोजना से मुलुंड की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक उथल-पुथल होने की उम्मीद है ।

मुलुंड पूर्व में केलकर कॉलेज परिसर में ४५०० घरों की परियोजना पर काम युद्ध स्तर पर है। लेकिन यह प्रोजेक्ट पूरा होने से पहले ही विवादों में घिर गया है। इस परियोजना के तहत, एमएमआरडीए के साथ मुंबई नगर निगम के विभिन्न विकास कार्यों के तहत परियोजना प्रभावित परिवारों को स्थानांतरित किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट चालू है, लेकिन इस परियोजना में मुलुंड में परियोजना प्रभावित कम और मानखुर्द बेहराम पाड़ा, बागान पाड़ा, शिवाजी नगर, गोवंडी में परियोजना प्रभावित बड़े पैमाने पर विस्थापित होंगे। इस जगह पर कुल ४०,००० लोगों के बाधित होने से मुलुंड के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विघटन की आशंका नेता व्यक्त कर रहे हैं। बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष रखा और यह भी आरोप है कि इस परियोजना से न केवल धार्मिक सौहार्द बिगड़ेगा बल्कि इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार भी होगा। इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए जिस डेवलपर को जमीन दी गई है, उसे मुंबई नगर निगम ने काफी कम कीमत पर जमीन दी है। इसके साथ ही नगर निगम प्रशासन की ओर से विकासक को ३००० करोड़ का लाभ दिया जा रहा है ऐसा आरोप सोमैया ने लगाया है। इस संबंध में मुलुंड नवघर पुलिस स्टेशन में

एक विस्तृत शिकायत पत्र भी दायर किया गया है। इस परियोजना ने मुलुंड पूर्व के नागरिकों के बीच भी आतंक का माहौल पैदा कर दिया है। मुलुंड पुलिस स्टेशन को भी प्रोजेक्ट साइट पर देर रात तक काम चलने की शिकायत मिली है। 'मी मुलुंडकर संस्था' के राहुल बनवाली ने भी मांग की है कि यह प्रोजेक्ट नहीं किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर नागरिक भी इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं, वहीं राजनीतिक स्तर पर भी इस परियोजना का विरोध हो रहा है। इससे भविष्य में मुलुंड की राजनीति खराब होने के संकेत मिल रहे हैं।

राह चल रहे व्यक्ति के साथ की गई लूटमार

नवघर पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

■ होम टाइम्स टीम

राह चलने वाले नागरिक को लूटने और घटनास्थल से रफू चक्कर होने का मामला नवघर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। जिसके बाद पुलिस की तरफ से इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल यह चारों आरोपी न्यायिक हिरासत में है।

नवघर पुलिस से मिल रही जानकारी के अनुसार ज्ञानदेव कदम भांडुप का रहिवासी है। १५ तारीख की तड़के सुबह शिकायतकर्ता अपना निजी काम करके मुलुंड गोरेगांव लिंक रोड से होते हुए अपने घर जा रहा था।तब पीड़ित ने देखा

कि दो लोग पीड़ित का पीछा कर रहे हैं। उसे शक हुआ कि वह दोनों चोर है और पीड़ित उन्हें देखकर भागने लगा। इसी बीच पीड़ित के सामने चार लोग और आए और इनमें से तीन व्यक्ति ने पीड़ित को पकड़ लिया और एक व्यक्ति ने पीड़ित के गले से ७ ग्राम वजन के सोने की चेन निकाल ली। इतना ही नहीं पीड़ित का पीछा करने वाले दो व्यक्ति ने पीड़ित के हाथ से घड़ी भी छीन ली। इसके बाद यह सभी लोग टेंपो में बैठकर सोनापुर सिग्नल की दिशा में रवाना होगये। इस घटना के उजागर होने के बाद पीड़ित ने नवघर पुलिस स्टेशन में जाकर घटना की जानकारी दी और मामला दर्ज करवाया। नवघर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा ३९५ के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की अधिक जांच में जुट गई। तकनीकी जांच के आधार पर इस मामले में ४ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन चारों आरोपियों के नाम जीशान शिद्धकी, अली राजा उर्फ छोटे मियां, मोहम्मद अजगर अली अशरफ खान, मुसर मुहम्मद मुस्ताक अली खान बताया जा रहा है। इन सभी आरोपियों से पूछताछ कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जसराज एंटिक®

सरोज गड़ा (मुलुंड-पूर्व) (राईधनजर-गढ़शीशी)

स्पेशल फेस्टिवल ऑफर 10% से 40% तक की छूट

१ ग्राम सोने के आभूषणों में नए डिजाइनों का खजाना उपलब्ध है।

बेहतरीन और आकर्षक डिजाइन जो असली जेवरात को भी फीका कर दे
+कुंदन + नेकलेस सेट, पेंडेंट बूटी लॉन्ग सेट, चंदनहार, जवहार, जवपतला गोल्ड,
रहोडियम ब्रेसलेट, चेन और कई अन्य प्रकार के शानदार और आकर्षक जेवरात

पुराने और नवीन सभी ग्राहकों का स्वागत

नागरिकों का भरोसा मतलब जसराज एंटीक का स्पेशल ऑफर

फेस्टिवल ऑफर पर १० से ४० फ़ीसदी तक की छूट

Note: Before coming pl buzz on Cell.

CONTACT : GIRISH GADA - 9821376756 SAROJ GADA - 9821854370

Helpline

सिटीजन रिपोर्टर
78956 78956

होम केबल
022 - 6614 6060

होम नेट
022 - 6621 1333
customerservice@homenet.net

होम टाइम्स
022 - 6614 6050
write2us@hometimes.in

विज्ञापन दें
होम टाइम्स
और
होम केबल
78957 78957
homecableads@gmail.com

उक्त जानकारी के लिए कृपया संबंधित नंबरों पर कॉल करें

विज्ञापनदाताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना

साप्ताहिक होम टाइम्स में विज्ञापनदाताओं द्वारा विविध प्रकार के विज्ञापन प्रकाशित किये जा रहे हैं। इस विज्ञापन में जो भी टेक्स्ट छापा जाता है। उसकी पूरी जिम्मेदारी विज्ञापनदाता की है। इस बारे में पाठक खुद जांच परख ले। विज्ञापन के बारे में कानूनन या अन्य मामले में साप्ताहिक होम टाइम्स के व्यवस्थापन मालिक, मुद्रक, प्रकाशक और संपादक की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। इस परध्यान दिया जाये।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक और संपादक

‘सुजोक’

डॉ. मोनिशा रावत

टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट डिसऑर्डर/रोग...

बिना दवा के प्राकृतिक तरीके से ट्रीटमेंट

समय पर उपचार न करने से जबड़े का पाईंट/स्थान, दांत या काटने पर स्थायी परिवर्तन हो सकता है

यह रोग जबड़े के दर्द के मुख्य कारणों में से एक है जो वैश्विक स्तर पर लाखों लोग इस रोग से प्रभावित है।

टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट के रोग में क्या होता है?

ढचग वह जोड़ है जो निचले जबड़े को खोपड़ी की टेम्पोरल हड्डी से जोड़ता है। यह ज्वाइंट, जबड़े को बात करने, मुस्कराने, हंसने और चबाने जैसी नियमित चेहरे की गतिविधियां करने की अनुमति देता है। यह रोग तब होता है, जब यह ज्वाईंट/जोड़ सूज जाता या क्षतिग्रस्त हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप, कान, चेहरे, जबड़े, गर्दन में दर्द, कठोरता/अकड़न और खोपड़ी/कपाल को खोलने और बंद करने में कठिनाई होती है।

सामान्य कारण

१. दांत संबंधी प्रॉब्लम २. दांत पीसना और भींचना ३. आर्थराइटिस
४. चोट ५. कान में इन्फेक्शन
६. लार ग्रंथियों का रोग ७. तनाव, सिरदर्द

हमारे 'मोनिशाज मंत्रा' में हमने मरीजों को बिना किसी दवा के उनके जबड़े के दर्द से छुटकारा दिलाने में निम्नलिखित तरीकों से मदद की है।

उपचार

१. कुछ दैनिक कार्यों से बचे जो सूजन वाले या क्षतिग्रस्त टेम्पोरोमैंडिबूलर ज्वाईंट पर दबाव डाल सकते हैं जैसे की दांत पीसना और भिंचना, आर्थराइटिस, च्युंइगम चबाना या कठोर/कड़क खाद्य पदार्थ खाना।

२. शरीर की सही मुद्रा बनाये रखना, क्योंकि खराब मुद्रा जबड़े और गर्दन की मांसपेशियों और ज्वाईंट पर दबाव डाल सकती है।

३. स्माइल मेडिटेशन और योग-प्राणायम जैसी रिलेक्शेसन टेकनीक से तनाव कम करना, क्योंकि लगातार तनाव जबड़े की मांसपेशियों में तनाव पैदा कर सकती है।

४. सूजन कम करने के लिए एन्टी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना ।

इंटरनेशनल सुजोक असोसिएशन (ISA) सर्टिफाइड़ वर्कशाप शेड्युल

१. ऑनलाइन-सुजोक-बेसिक (लेवल -I) 29/11 to 08/12/2023
२. रेसिडेंशियल, मेरिडियेन सुजोक Ki (लेवल -II) 09/12 to 11/12/2023
३.ऑनलाइन -मेरिडियन सुजोक- Ki (लेवल -II) 18/12 to 28/12/2023
४. रेसिडेंशियल - सुजोक six ki-1 (लेवल -III) 08/4 to 13/04/2024

LIMITED SEATS. REGISTRATION ON FIRST CUM FIRST BASIS CALL ON-8422948592/8655139777.

सुजोक थैरापी

(सूजन को कम करने, ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने और प्राकृतिक दर्द निवारक-एंडोर्फिन के रिलीज को बढ़ावा देने में मदद करती है)

अ) हाथ के अंगुली के, थंबनेल के आसपास दर्दनाक जबड़े के क्षेत्र को नियमित रूप से प्रतिदिन ३-४ बार, एक मिनट के लिए डायगनोस्टिक प्रोब या उंगुली से मसाज करना (चित्र १ में दर्शायेनुसार)

ब) हाथ की उंगुली पर जबड़े से संबंधित दर्दनाक क्षेत्र/स्थान पर चिपकाने वाले टेप पर तीन मूंग के दाने लगाकर चिपकाना (चित्र २ में दर्शायेनुसार)

डॉ. मोनिशा रावत- संस्थापक 'मोनिशाज मंत्रा' मुंबई एवं ग्लोबल वी-केयर फाउंडेशन, M.Sc., MD (Alternative Medicines), **लाइफ कोच, मास्टर इन सुजोक थैरापी, कन्सल्टिंग न्यूट्रीशनिस्ट, होलेस्टीक काउन्सलर, कारपोरेट ट्रेनर, सुजोक डायबिटीज स्पेशलिस्ट, इंटरनेशनल लेक्चरर फार 'सुजोक एन्ड स्माईल ताई-जी'. ISA ऑथराईज्ड लेक्चरर फार लेवल - I, II, III & IV**

Award Winner as a BEST PERFORMING TEACHER by International Sujok Association (ISA) – SIC 2019
NATIONAL EXCELLENCE HEALTH AWARD – 2019 During COVID-19
Award winner of Inernational Women Excellence Empowerment Award (WEE) – 2020 as a RISING STAR
Award winner of India Best Therapist Award for the Year 2021 by MKSS
Award Winner of ET CHANGE MAKER-2022 for Health & Wellness powered by Economic Times-Ascent & Navbharat Times
An ISO Certified Centre at Mumbai
Mulund- +91 8655139777/ 9029960086, Goregaon - +91 8433947592/9820343592

सुनिता देसाई

राशिफल

Saturday, 25th Nov to 1st Dec 2023

२००३ से टैरोट रीडिंग कर रही हैं। इसके अलावा वे ग्रॉंड मास्टर इन रेकी, चार लेवल इन चक्रा मेडिटेशन, मास्टर इन मर्मा, जि.पी इन शियात्सु, क्रिस्टल और पिरामिड एक्सपर्ट, मास्टर ऍक्युप्रेशरिस्ट,अरोमा थेरॉपिस्ट, प्राणिक हीलर, औरा रीडर और वर्च्यू प्रैक्टिश्नर हैं। व्यक्तिगत सलाह के लिए मिलें.

+91 93234 30355 desaisunita02@gmail.com

मेष (अ, ल, इ)
भविष्यवाणी: आप उचित निर्णय नहीं ले पाएंगे और इसका खामियाजा भुगतेंगे।
सलाह: १) इस सप्ताह किसी पवित्र स्थान पर जाएँ। २) नीले रंग की चीजों का प्रयोग करें। ३) अपने निर्णयों पर ध्यान दें।

कर्क (ड, च, ह)
भविष्यवाणी: कुछ चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं होंगी लेकिन आपको फ़ायदा देंगी।
सलाह: १) अपने रिश्तों को समझने की कोशिश करें। २) भूरे रंग की चीजों का प्रयोग करें। ३) अपनी भावनाओं पर ध्यान दें।

तुला (र, त)
भविष्यवाणी: आपके कुछ रिश्तेदार या मित्र आपकी आर्थिक समस्याओं में मदद करेंगे।
सलाह: १) समझदारी से बात करें और सहनशील बनने का प्रयास करें। २) हरे रंग का प्रयोग करें और हरी सब्जियां खाएं। ३) अपनी ताकत पर ध्यान दें।

मकर (ख, ज)
भविष्यवाणी: कुछ अनियोजित काम आपको शानदार परिणाम देंगे। स्थिरता आपके रास्ते में है।
सलाह: १) समूह आपके लिए किसी भी व्यक्ति से बड़ा है। २) किसी भी मामले में साझेदारी न करें। ३) अपने वित्त पर ध्यान दें।

वृषभ (ब, व, य)
भविष्यवाणी: आप कुछ मुद्दों पर मजबूत बनेंगे और अपने पक्ष में निर्णय लेंगे।
सलाह: १) बोलने से पहले दो बार सोचें। २) गुलाबी रंग की चीजों का प्रयोग करें। ३) अपनी ब्रह्मांडीय ऊर्जा पर ध्यान दें।

सिंह (म, ट)
भविष्यवाणी: आपको अपनी अतिरिक्त ज़रूरतों के लिए धन नहीं मिल पाएगा। लेकिन आप नई जगह की यात्रा करेंगे। **सलाह:** १) अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें और व्यावहारिक बनें। २) पक्षियों और जानवरों को खाना खिलाएं और जरूरतमंद लोगों की मदद करें। ३) अपने लालच पर ध्यान दें।

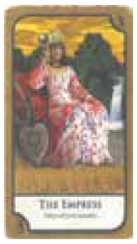

वृश्चिक (न, य)
भविष्यवाणी: आप अपना काम समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे लेकिन लोग आपका सहयोग करेंगे। **सलाह :** १) अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा रखें और अपनी छठी इंद्रिय का अनुसरण करें। २) अपने पुराने रिश्तेदारों से मिलें और किसी मंदिर में जाएँ। ३) अपने प्यार और देखभाल पर ध्यान दें।

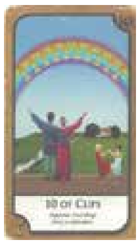

कुंभ (ग, स, श)
भविष्यवाणी: आप अपनी सफलता का जश्न मनाएंगे। कोई जाना-पहचाना व्यक्ति आपके फायदे के लिए आपके संपर्क में आएगा। **सलाह:** १) नए और पुराने संबंधों का सहयोग करें। २) किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। ३) अपने विचारों पर ध्यान दें।

मिथुन (क, च, ज)
भविष्यवाणी: आपकी ईर्ष्या से आपका दिल ही टूटेगा और सहयोग नहीं मिलेगा।
सलाह: १) किसी को भी अपमानित करने का प्रयास न करें। २) लाल रंग की चीजों का प्रयोग करें। ३) अपने गुस्से पर ध्यान दें।

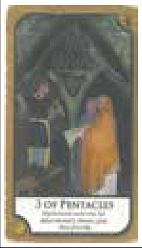

कन्या (प, ठ, ण)
भविष्यवाणी: आप अपने अच्छे काम के लिए अच्छा नाम कमाएंगे और प्रशंसा से आपके काम की गुणवत्ता में सुधार होगा।
सलाह: १) अपने रिश्तेदारों को कम न आंकें। २) ध्यान से निर्णय लेने में मदद मिलेगी। ३) अपनी ब्रह्मांडीय ऊर्जा पर ध्यान दें।

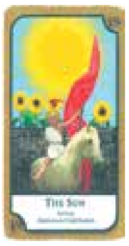

धनु (भ, ड, फ, ठ)
भविष्यवाणी: कोई ऐसा व्यक्ति जिसे आप ज़्यादा महत्व नहीं देते, वह आपकी बहुत बड़ी चीज़ों में मदद करेगा। कुछ आश्चर्य तो हैं ही। **सलाह:** १) कुछ आध्यात्मिक पाठन को समय दें। २) निवेश के लिए समय अच्छा है इसलिए उसी पर ध्यान दें। ३) अपने भ्रम पर ध्यान दें।

मीन (द, च, झ)
भविष्यवाणी: आपको कुछ निराशा का सामना करना पड़ेगा। आपकी दिनचर्या में कुछ अनसुलझी समस्याएं परेशान करेंगी।
सलाह: १) प्रतिकूल परिस्थितियों पर ध्यान न दें। २) सौभाग्य के लिए कोई पोशाक संबंधी वस्तु अपने पास रखें। ३) अपने खान-पान और नींद पर ध्यान दें।

मुलुंड में एमडी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड पुलिस स्टेशन की सीमा में एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वाले व्यक्ति को मुलुंड पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम मोहम्मद तोहिफ साधत शेख है और यह ऑपरेशन मुलुंड के वसंत ऑस्कर इलाके में चलाया गया था।

भांडुप में अपराध का ग्राफ बढ़ रहा है। कुछ दिनों पहले यहां हुई हत्याओं के बाद पुलिस और भी सतर्क हो गई है। परिमंडल ७ के सभी पुलिस स्टेशनों को अलर्ट कर

दिया गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पुलिस ने अब मुलुंड पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर नशीली दवाओं की बिक्री और खपत वाले स्थानों पर कड़ी नजर रखनी शुरू कर दी है। खबरों के जरिए जिन जगहों पर ड्रग रैकेट का पता चल रहा है, वहां पुलिस की छापेमारी जारी है। इसका एक हिस्सा यह है कि जब मुलुंड पुलिस को सूचना मिली कि वसंत ऑस्कर इलाके में ड्रग्स बेचने के लिए एक व्यक्ति आया हुआ है, तो पुलिस ने जाल बिछाया और इलाके से मोहम्मद अली शेख नाम के २९ वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसकी जेब से २० ग्राम वजन की गोलियां मिलीं। इन गोलियों के बारे में पूछताछ करने पर पता चला कि ये एमडी की हैं। इन टैबलेट की कीमत करीब दो लाख रुपये बताई जा रही है। इसके बाद मोहम्मद को एंटी नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। मुलुंड पुलिस फिलहाल इस बात की जांच कर रही है कि मोहम्मद शेख को ये पदार्थ कहां से मिले।

नीलम नगर में सेंधमारी

आभूषण और नकदी चोरी

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड के नीलम नगर में अज्ञात चोरों द्वारा बंद घर में घुसकर अलमारी से आभूषण व नकदी चोरी करने की घटना हुई है । इस घटना से लोगों में चिंता का माहौल फैल गया है और उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

नीलम नगर इलाके में रहने वाले राहणे परिवार गांव गया हुआ था। १९ नवंबर को उनके भाई संतोष कुमार को उनके पड़ोसियों ने फोन पर बताया कि राणे के घर का दरवाजा खुला है। इसके बाद संतोष कुमार ने मुलुंड के नीलम नगर स्थित बिल्डिंग में जाकर अपने घर का निरीक्षण किया और पाया कि उनके घर का दरवाजा खुला हुआ है। घर में सामान बिखरा हुआ था। अलमारी को जबरदस्ती खोलने की कोशिश की गई थी। अलमारी के लॉकर में रखे ७५ हजार के आभूषण और नकदी लूट ली। इसके बाद उन्होंने नवघर पुलिस स्टेशन जाकर इस चोरी के संबंध में मामला दर्ज कराया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मंदिर से मूर्ति चुराने वाले चोर को हुई जेल

मुलुंड पुलिस का सराहनीय प्रदर्शन

■ होम टाइम्स टीम

मुलुंड में एक चौंकाने वाली घटना घटी जहां चोरों ने एक मंदिर में चोरी की थी। चोरों ने मंदिर से १,९०,००० रुपये की मूर्ति और मूर्ति को पहनाए गए चांदी से बने कपड़े चुरा लिए। इस घटना से तो यही लगता है कि मंदिर भी चोरों के चंगुल से बच नहीं पाए हैं। लेकिन मुलुंड पुलिस ने महज छह घंटे में चोर को गिरफ्तार कर लिया और चोरी की गई मूर्ति और अन्य कीमती सामान बरामद कर लिया।

मुलुंड में पी के रोड पर दीपक गृह मंदिर मुलुंड के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक

है। इस मंदिर में पंचधातु की मूर्ति स्थापित है। इसके साथ ही दो संगमरमर की मूर्तियाँ भी हैं। २२ नवंबर को रात ९:३० बजे मंदिर हमेशा की तरह बंद किया गया। अगले दिन सुबह ५:३० बजे मंदिर खोला गया। तभी मंदिर के पुजारियों ने देखा कि मंदिर का दरवाजा टूटा हुआ है। जब वे अंदर गए तो पता चला कि मंदिर में रखी पंचधातु की मूर्ति चोरी हो गई है। दोनों संगमरमर की मूर्तियों पर लगे चांदी से बने वस्त्र भी गायब थे। इस मंदिर से कुल १ लाख ७० हजार रुपये की सामग्री चोरी हुई है। इस संबंध में मंदिर के प्रबंधकों ने मुलुंड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि भगवान की मूर्ति चोरी हो गई थी और मुलुंड पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश कर रही थी ।

उस वक्त पुलिस के सामने चोरों को पकड़ने की बड़ी चुनौती थी। ऐसे में जब पुलिस ने चोरी वाले दिन मंदिर इलाके में लगे सीसीटीवी को चेक किया तो पुलिस ने देखा कि मंदिर के पास एक मिनी टेम्पो खड़ा है। पुलिस ने जब उस टेंपो की तलाश की तो पता चला कि वह भिवंडी का है। पुलिस ने बिना समय बर्बाद किए भिवंडी जाकर आगे की खोजबीन की और जानकारी मिली कि यह टेम्पो भिवंडी के सोनाले गांव निवासी श्याम श्रीराम जलालू उम्र ४४ वर्ष का है। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से मूर्ति, अन्य सामान और अपराध में प्रयुक्त टेम्पो जब्त कर लिया। पुलिस ने महज छह घंटे में ही वारदात को सुलझा लिया। जिसके बाद मुलुंड पुलिस की सराहना की जा रही है।

CALL CENTER
022 66211333

E-MAIL ID
customerservice@homenet.net

FACEBOOK MESSENGER
HomeNet / @homenet.net

Facebook Messenger Scan Code:
To get in touch, simply scan a code using the Messenger app.

HOME NET

www.homenet.net

WOW!

DOUBLE MAZZA!!
uploads & downloads
at same speed, since 2010
now @ ₹194/-*

Pay For 6 Months & Get Additional 7 Months Free

67 OFFER

TRULY UNLIMITED SPEED PLANS

PLAN NAME	30 DAYS RATE		390 DAYS
20 Mbps Unlimited	500/-	NOW 231/-*	3000/-
30 Mbps Unlimited	600/-	NOW 276/-*	3600/-
40 Mbps Unlimited	720/-	NOW 332/-*	4320/-
50 Mbps Unlimited	850/-	NOW 392/-*	5100/-
60 Mbps Unlimited	985/-	NOW 455/-*	5910/-

UNLIMITED POWER PLANS

PLAN NAME	DATA(GB)	SPEED AFTER DC	30 DAYS RATE		390 DAYS
40 Mbps till Allotted Data	250	20 Mbps	600/-	NOW 277/-*	3600/-
60 Mbps till Allotted Data	500	30 Mbps	750/-	NOW 346/-*	4500/-

UPLOAD OR DOWNLOAD @SAME SPEED

99% UPTIME

- Affordable Rates
- Super speed Upto 100 mbps
- Customer support Android / IOS app
- Online Payments
- Customer care 9 am - 12 midnight

PE 67 OFFER

NEWLY LAUNCHED - FIBER TO THE HOME TECHNOLOGY

HOME FIBER
powered by HomeNet

UNLOCK YOUR SUPERPOWER

INTRODUCTORY HOME FIBER PACKS

UPGRADE YOUR EXISTING HOME NET TO
NEW FIBERNET EXPERIENCE WITH
ZERO INSTALLATION COST**
For New Customers installation charges of Rs.500/-* applicable

HOME FIBER TRULY UNLIMITED SPEED PACKS

PACK NAME	DATA(GB)	SPEED AFTER DC	EFFECTIVE MONTHLY RATE	360 DAYS
35 Mbps HomeFiber	UNLIMITED	NA	NOW 337/-*	4040/-
50 Mbps HomeFiber	UNLIMITED	NA	NOW 421/-*	5050/-
75 Mbps HomeFiber	UNLIMITED	NA	NOW 505/-*	6060/-
100 Mbps HomeFiber	UNLIMITED	NA	NOW 589/-*	7070/-

Many more Speed Pack options available up to 500 Mbps

** offer available only at the FTTH G / EPON Ready Building

TO AVAIL THIS
INTRODUCTORY OFFER
IN YOUR SOCIETY
PLEASE COME TO US WITH
A MINIMUM GROUP OF
15 CONNECTIONS

SYMMETRIC SPEED

SUPER SPEED PACK UP TO 500MBPS

EASY LOCAL APPROACH FOR ISSUE RESOLUTION

FASTER VISITS FOR TECHNICAL SOLUTIONS

NO VISIT CHARGES FOR ISSUES & COMPLAINTS

Customer Portal **login.homenet.net**
Customer Service Mobile App **Log2Space - HomeNet**

Download on the App Store | GET IT ON Google Play

FOR NEW CONNECTIONS OR QUERIES CALL

Call - 75067 96562, 88790 00724, 88790 00720, 88794 47839

MULUND - A / 16, Gaurav Annex, R.R.T Road, Mulund (W), Mumbai - 400 080. Tel.: 022 662 11 333

MALAD • COLABA • VASHI • NERUL • THANE • AIROLI • ASANGAON • VASIND

*conditions apply

Printer, Publisher& Owner : **Hemanshu Girish Kothari**& Printed at Dangat Media Pvt. Ltd, Plot No.22, Digha MIDC, Vishnu Nagar, TTC Industrial Area, Digha, Navi Mumbai. Published at G/4, Landmark Appartment, Devidayal Cross Road, Mulund (W), Mumbai - 80.**Home Times** (Office): - 6th Floor, Flora Point, S.N. Road, Near Mulund Court, Mulund (W), Mumbai-80. **Editor : Hemanshu Girish Kothari** ● **RNI No. MAHHIN/2016/75969**